भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

**लोक सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या 1819**

जिसका उत्तर दिनांक 21.09.2020 को दिया जाना है

**नए परमाणु ऊर्जा संयंत्र**

1819. श्री धैर्यशील संभाजीराव माणे :
श्री उन्मेश भैय्यासाहेब पाटिल :
श्री हेमन्त पाटिल :
डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे :
डॉ. सुजय विखे पाटील :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार की 21 नए परमाणु ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने की योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) इन नई परियोजनाओं को पूरा करने के चरण का राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) परमाणु ऊर्जा के माध्यम से सृजित ऊर्जा का घरेलू और वाणिज्य उद्देश्य हेतु विद्युत आपूर्ति करने के लिए किस प्रकार से उपयोग किया जाता है और तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या परमाणु ऊर्जा के माध्यम से सृजित ऊर्जा से भारत की कोयले और पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भरता कम हो जाएगी और यदि हां, तो इसके क्या कारण है; और

(ङ) क्या उक्त ऊर्जा की पूर्ण क्षमता का उपयोग करने में कोई कमियां है और यदि हां, तो इसके क्या कारण है ?

**उत्तर**

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

(क) तथा (ख) जी, हां । वर्तमान में 6700 MW क्षमता वाले नौ (9) रिएक्टर निर्माणाधीन हैं (भाविनी द्वारा क्रियांवित किए जा रहे 500 MWe क्षमता के पीएफबीआर सहित) । इसके अतिरिक्त, सरकार ने 9000 MW क्षमता वाले बारह (12) अन्य रिएक्टरों को प्रशासनिक अनुमोदन एवं वित्तीय मंजूरी प्रदान की है । ये परियोजनाएं 2031 तक क्रमिक रूप से पूरी की जाएगी । विवरण निम्नलिखित हैं :

...2/-

| राज्य | स्थान | परियोजना | क्षमता (मेगावाट) | वास्तविक प्रगति,% (अगस्त 2020 को) |
|---|---|---|---|---|
| **निर्माणाधीन परियोजनाएं** | | | | |
| गुजरात | काकरापार | केएपीपी 3 तथा 4[@] | 2x700 | 95.1 |
| राजस्थान | रावतभाटा | आरएपीपी 7 तथा 8 | 2X700 | 83.0 |
| हरियाणा | गोरखपुर | जीएचएवीपी 1 तथा 2 | 2x700 | कार्य आरम्भ हो चुका है |
| तमिलनाडु | कुडनकुलम | केकेएनपीपी 3 तथा 4 | 2X1000 | 41.2 |
| | कल्पाक्कम | पीएफबीआर[*] | 1X500 | 97.64% |
| **प्रशासनिक अनुमोदन एवं वित्तीय मंजूरी प्राप्त परियोजनाएं** | | | | |
| तमिलनाडु | कुडनकुलम | केकेएनपीपी 5 तथा 6 | 2X1000 | कार्य आरम्भ हो चुका है |
| ***फ्लीट मोड में पीएचडब्ल्यूआर*** | | | | |
| मध्य प्रदेश | चुटका | चुटका - 1 तथा 2 | 2 X 700 | परियोजना-पूर्व गतिविधियां प्रगति पर है |
| कर्नाटक | कैगा | कैगा - 5 तथा 6 | 2 X 700 | |
| राजस्थान | माही बांसवाड़ा | माही बांसवाड़ा - 1 तथा 2 | 2 X 700 | |
| | | माही बांसवाड़ा - 3 तथा 4 | 2 X 700 | |
| हरियाणा | गोरखपुर | जीएचएवीपी - 3 तथा 4 | 2 X 700 | |

*@: केएपीपी-3 ने प्रथम क्रांतिकता प्राप्त कर ली है ।  * भाविनी द्वारा क्रियांवित किया जा रहा है ।*

(ग) नाभिकीय विद्युत संयंत्रों से उत्पादित विद्युत, विद्यमान फार्मूले के अनुसार विद्युत मंत्रालय द्वारा विद्युत क्षेत्र में स्थित लाभार्थी राज्यों और संघ राज्यक्षेत्रों को आवंटित की जाती है ।

(घ) लाभार्थियों की विद्युत मांग को पूरा करने के लिए, नाभिकीय विद्युत से उत्पादित बिजली, बिजली उत्पादन के अन्य स्रोतों के साथ सहायक के रुप में कार्य करती है । निर्माणाधीन, मंजूरी प्राप्त और योजना बनाई गई नाभिकीय विद्युत परियोजनाओं के क्रमिक रूप से पूरा होने पर, नाभिकीय ऊर्जा का हिस्सा देश में बढ़ जाएगा ।

(ङ) जी, नहीं ।

* * *